

60% मतदाताओं ने आधार को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ा

प्रलिस के लयि:

नरिवाचन आयोग (EC), आधार संख्या, पुट्टासुवामी मामला (नजिता का अधकिर), डजिटल वयक्तगित डेटा संरक्षण वधियक, 2022

मेन्स के लयि:

भारत में आधार लकिगि की सुथति, आधार को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने से संबंधति मुददे ।

चरचा में क्यौं?

[नरिवाचन आयोग](#) के अनुसार, भारत के 94.5 करोड़ मतदाताओं में से 60% से अधकि मतदाताओं ने अपने [आधार नंबर](#) को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ा है ।

भारत में आधार लकिगि सुथति:

- त्रपुरा में आधार लकिगि दर उच्चतम है, इस राज्य में 92% से अधकि मतदाताओं ने नरिवाचन आयोग के साथ अपना आधार वविरण साझा कयिा है ।
- आधार लकिगि दर में लक्षद्वीप दूसरे और मध्य प्रदेश तीसरे सुथान पर है, जहाँ क्रमशः 91% एवं 86% से अधकि मतदाताओं ने आधार संख्या को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ा है ।
- दक्षिणी राज्यों में राष्ट्रीय औसत की तुलना में आधार पंजीकरण का अनुपात कम है, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में यह दर 71% है, तमलिनाडु तथा केरल में यह क्रमशः लगभग 63% और 61% है ।
- गुजरात में मतदाताओं का आधार पंजीकरण सबसे कम है, केवल 31.5% मतदाताओं ने आधार को अपने मतदाता पंजीकरण से लकि कयिा है ।
 - साथ ही दल्लि में 34% से भी कम मतदाताओं के आधार मतदाता पहचान पत्र से जुड़े (लकिड) हुए हैं ।

सरकार द्वारा मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने पर ज़ोर देने का कारण:

- डेटाबेस को अद्यतति करना:
 - इस लकिगि परयोजना से चुनाव आयोग को काफी मदद मल्लिगी, जो आए दनिमतदाता आधार के अद्यतन और सटीक रकिॉर्ड को बनाए रखने के लयि नयिमति अभ्यास करता रहता है ।
- प्रतलिपियिों (Duplicate) को हटाना:
 - मतदाताओं के दोहराव को समाप्त करना, उदाहरण के लयि [पुरवासी शरमकि](#), जनिका वभिनिन नरिवाचन कषेत्रों की मतदाता सूची में एक से अधकि बार पंजीकरण अथवा कसिी वयक्तद्वारा एक ही नरिवाचन कषेत्र में कई बार पंजीकरण कराया जाना, अतः इस प्रकार की समस्याओं से नपिटने के लयि प्रतलिपियिों को हटाने का कार्य कयिा जा सकता है ।
- अखलि भारतीय मतदाता पहचान पत्र:
 - सरकार के अनुसार, आधार को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने से यह सुनिश्चित करने में मदद मल्लिगी कि भारत के प्रत्येक नागरकि को केवल एक मतदाता पहचान पत्र जारी कयिा गया है ।

आधार को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने संबंधी मुददे:

- अस्पष्ट संवैधानकि सुथति:
 - पुट्टासुवामी मामले (गोपनीयता का अधकिर) में सर्वोच्च न्यायालय ने जनि प्रश्नों की पड़ताल की उनमें से एक यह था किक्याबैंक खातों के साथ आधार को अनवार्य रूप से जोड़ना संवैधानकि है या नहीं ।
- भनिन उददेश्य:
 - मतदाताओं का नरिधारण करने के उददेश्य से आधार को प्राथमकिता देना हैरान करने वाला है क्यौंकि आधार केवल नविस का प्रमाण है, न कि नागरकिता का प्रमाण ।

- इसलिये इसके द्वारा मतदाता पहचान को सत्यापित करने से केवल दोहराव से नपिटने में मदद मिलेगी, लेकिन यह मतदाता सूची से उन मतदाताओं को नहीं हटाएगा जो भारत के नागरिक नहीं हैं।

आगे की राह

- मतदाता पहचान पत्र को आधार से लकित करने के कार्य को आगे बढ़ाने के साथ सरकार [डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण \(DPDP\) अधियक, 2022](#) को लागू करने हेतु भी तत्पर है। DPDP व्यवस्था को सरकारी संस्थाओं पर भी लागू होना चाहिये जिसमें उन्हें वभिन्न सरकारी संस्थानों में अपने डेटा को साझा करने से पूरव कसी व्यक्ति की स्पष्ट सहमति प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्ष के प्रश्न

??????:

नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2018)

1. आधार कार्ड का प्रयोग नागरकित्ता या अधविस के प्रमाण के रूप में कयिा जा सकता है।
2. एक बार जारी करने के पश्चात् इसे नरिगत करने वाला प्राधकिरण आधार संख्या को नषिक्रयि या लुप्त नहीं कर सकता है।

उपरयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

??????:

प्रश्न. नजित्ता के अधकिार पर उच्चतम न्यायालय के नवीनतम नरिणय के आलोक में मौलकि अधकिारों के वसितार का परीक्षण कीजयि। (2017)

[स्रोत: द हद्रि](#)